7 Qs

प्रथम समुल्लासः

ईश्वर के ओङ्कारादि नामों की व्याख्या

- क्या ओ३म् परमात्मा का सर्वोत्तम नाम है ?
- क्या परमात्मा एक है और उसके गुण-कर्म-स्वभावानुसार नाम अनेक हैं ?
- परमेश्वर की स्तुति, उपासना, प्रार्थना क्यों करनी चाहिए ? क्या ब्रह्मा, विष्णु, महादेव नामक पूर्वज परमेश्वर की ही उपासना करते थे ?
- क्या परमात्मा किसी का शत्रु है ?
- प्राणी और अप्राणी-जगत् सृष्टि में किस प्रकार चलायमान हैं ?
- ग्रन्थारम्भ में आर्षग्रन्थों में 'ओ३म्' तथा 'अथ' शब्द का प्रयोग क्यों किया जाता है ?
- सजातीय, विजातीय एवं स्वगत आदि में क्या भेद है ?

द्वितीय समुल्लासः

सन्तानों की शिक्षा

- माता, पिता, आचार्य प्रथम तीन शिक्षक क्यों कहे गये हैं ?
- माता सन्तान का निर्माण करने में प्रमुख भूमिका क्यों निभाती है ?
- सन्तान की जन्म से लेकर विद्यालय भेजने तक की शिक्षा किस प्रकार की हो ?
- पाँच वर्ष तक पुत्र और पुत्री को किस प्रकार की शिक्षा दें ?
- सुसभ्य, सुसंस्कृत, पराक्रमी, दीर्घायु सन्तान किस प्रकार बन सकती है ?
- सन्तानों को माता, पिता, गुरु, आचार्य, अतिथि, विद्वान्, राजा, रिश्तेदारों से किस प्रकार का व्यवहार करना चाहिए ?
- सन्तानों को किस प्रकार की शिक्षा दें कि वे किसी धूर्त्त के बहकावे में न आएँ ?
- औषध का प्रयोग कब किया जाता है ?
- क्या जन्मपत्र शोकपत्र है ?
- ग्रह आदि जड़ जगत् से हमारे मानवीय जीवन को सुख-दुःख क्यों नहीं लगते ?
- ज्योतिषविज्ञान कहाँ तक सत्य है ?
- नमस्ते ही का प्रयोग हमें क्यों करना चाहिए ?
- सन्तानों को लाड़न के साथ-साथ ताड़ते रहना क्यों उचित है ?

- सन्तानों का यज्ञोपवीत संस्कार कब कराना चाहिए?
- कैसे ब्रह्मचर्य के माध्यम से आरोग्य, बुद्धि, बल, पराक्रम बढ़कर सुख की प्राप्ति होती है?
- मन्त्र, तन्त्र और यन्त्र का आपसी सम्बन्ध क्या है?
- ग्रह, नक्षत्र, जन्मपत्र, राशि, मुहूर्त्त आदि से क्या कुछ होता है?
- बुद्धिनाशक मादक द्रव्य शरीर को किस प्रकार हानि पहुँचाते हैं?
- पाँच बोतल मद्य, पाँच मुर्गी, पाँच बकरे, मिठाई और वस्त्र के स्थान पर पाँच जूते, डण्डे, थप्पड़, लातें कब मारें कि जिससे भूत-प्रेत और शीतला, हनुमान्, देवी, भैरव आदि खुश होकर भाग जाएँ?
- बच्चों की स्मरण-शक्ति में वृद्धि किस प्रकार हो सकती है अर्थात् वेदमन्त्र कण्ठस्थ करने के क्या नियम है?
- अपनी सन्तानों को शिक्षा व विद्या प्राप्त न करानेवाले माता-पिता राजकीय प्रणाली के अन्तर्गत दण्डनीय कब और क्यों होने चाहिएँ?
- खाना, पीना, सोना, लेटना, बैठना आदि के नियम क्या हैं?
- चोरी, जारी, मिथ्या भाषणादि कर्म मृत्यु तक पीछा क्यों नहीं छोड़ते?

4b60

तृतीय समुल्लासः

ब्रह्मचर्य, पठन-पाठन-व्यवस्था, सत्यासत्य ग्रन्थों के नाम और पढ़ने-पढ़ाने की रीति

- सोना, चाँदी, हीरे, जवाहरात आदि धारण करने की अपेक्षा सन्तानों को विद्यादि आभूषणों से अलंकृत करना क्यों आवश्यक है?
- किस आयु में सन्तान को विद्यालय में प्रवेश कराना चाहिए?
- ब्रह्मचर्याश्रम में नेता का पुत्र हो अथवा एक दरिद्र का सभी को तुल्य वस्त्र, तुल्य खानपान, तुल्य आसन क्यों देने चाहिएँ?
- गायत्रीमन्त्र गुरुमन्त्र क्यों है?
- प्राणायाम के माध्यम से मन किस प्रकार वश में किया जा सकता है?
- प्राणायाम और ब्रह्मचर्य का क्या सम्बन्ध है?
- ब्रह्मयज्ञ, देवयज्ञ, पितृयज्ञ, बलिवैश्वदेवयज्ञ, अतिथियज्ञ आदि पञ्चमहायज्ञ क्यों करने चाहिएँ?
- आत्मा और शरीर की शुद्धि किस प्रकार की जा सकती है?
- हवन करने से पृथिवी, जल, वायु आदि की शुद्धि किस प्रकार होती है?
- हवन करते समय मन्त्रोच्चारण करना क्यों आवश्यक होता है?
- हवन करने से घी और सुगन्धित पदार्थों का नाश क्यों नहीं होता?

- प्राचीन आर्यावर्त्त देश में ऋषि, महर्षि, राजा-महाराजा लोग यज्ञ क्यों कराते थे ?
- राजसूय, अश्वमेध, गोमेध, नरमेध, आदि यज्ञ क्या हैं ?
- ब्रह्मचर्य के कितने प्रकार हैं ?
- यम (अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह) और नियम (शौच, सन्तोष, तप, स्वाध्याय, ईश्वरप्रणिधान) का पालन क्यों करना चाहिए ?
- नित्यकर्म हमारे जीवन में क्यों आवश्यक हैं ?
- स्वाध्याय से हमें क्या लाभ है ?
- आयु, विद्या, कीर्ति और बल किस प्रकार बढ़ सकते हैं ?
- ब्रह्मचर्य के साधन कौन-कौन से हैं ?
- अध्यापकों के क्या-क्या कर्त्तव्य हैं ?
- वेद की निन्दा करनेवाले को नास्तिक क्यों कहा जाता है ?
- धर्म और अधर्म किसे कहते हैं ?
- क्या ब्रह्मचर्य का नियम स्त्री अथवा पुरुष दोनों का तुल्य ही है ?
- सत्य एवं असत्य की परीक्षा किस प्रकार की जाती है ?
- पृथिवी में गन्ध, जल में रस, अग्नि में रूप, वायु में स्पर्श और आकाश में शब्द कौन-सी शक्ति को प्रतिपादित करते हैं ?
- पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण, आग्नेयी, नैर्ऋति, वायवी और ऐशानी दिशा किसे कहते हैं ?

- क्या जाति, भोग, आयु परमात्मा-प्रदत्त हैं ?
- शास्त्र किसे कहते हैं ? स्वतः और परतः प्रमाण में क्या अन्तर है ?
- किसी भी ग्रन्थ की सत्य एवं असत्य की परीक्षा किस प्रकार कर सकते हैं ?
- भारत के प्राचीन काल की वैदिक शिक्षा का आधुनिक शिक्षा के साथ किस प्रकार का पाठ्यक्रम होना चाहिए ?
- अष्टाध्यायी संसारभर में सर्वप्रसिद्ध क्यों हो रही है ?
- आयुर्वेद के माध्यम से हम किस प्रकार नीरोग रह सकते हैं ? भारत आज Side effect देनेवाली Allopathy चिकित्सा से किस प्रकार विमुक्त हो सकता है ?
- सूर्यग्रहण एवं चन्द्रग्रहण की तिथियों को क्या भारतीय वैज्ञानिक पहले ही निर्धारित कर लेते थे ?
- वेद, उपवेद, ब्राह्मणग्रन्थ, दर्शनशास्त्र, उपनिषदों में क्या लिखा है ? वाल्मीकि रामायण और व्यासमुनि की महाभारत में प्रक्षिप्त श्लोक क्यों डाले गये हैं ?
- इतिहास, पुराण, कल्प, गाथा, नाराशंसी किसे कहते हैं ?
- दर्शनशास्त्र के रचयिता ईश्वर को लेकर क्या विरोधी मत के थे ?
- क्या मनुस्मृति में प्रक्षिप्त श्लोकों की भरमार है ? यह कैसे पता चले कि मनुमहाराज ऐसा नहीं लिख सकते ?
- ऋषि-मुनि-प्रणीत ग्रन्थों की क्या पहचान होती है ?
- असली ग्रन्थों में मिलावटी श्लोक क्यों मिलाये जाते है ?

- विद्या पढ़ने-पढ़ाने के विघ्न कौन-कौन से है ?
- ऊर्ध्वपुण्ड्र, तिलक, कण्ठी, मालाधारण, एकादशी, त्रयोदशी आदि व्रत करना, काश्यादि तीर्थ और राम, कृष्ण, नारायण, शिव, भगवती, गणेशादि के नामस्मरण से क्या वास्तव में पाप छूट जाते हैं ? ये किन लोगों के मुखौटे हैं ?
- वैदिक शिक्षा के अभाव में सम्प्रदायी और स्वार्थी ब्राह्मणों ने क्षत्रिय, वैश्य आदि वर्णों को पिछले दो-तीन हज़ार वर्षों से किस प्रकार मूर्ख बनाये रक्खा ?
- वैदिक ग्रन्थों में स्त्री एवं शूद्रों को वेद पढ़ने-पढ़ाने, सुनने-सुनाने का पूरा अधिकार है अथवा नहीं ?
- क्या तुलसीदास की रामायण एवं गीता में भी मिलावट है ?
- क्या प्राचीन स्त्रियाँ शास्त्रार्थ, शिल्पविद्या, व्यवहारविद्या, युद्धविद्या, व्याकरणविद्या, वैद्यकविद्या, गणितविद्या, वस्त्र-विद्या, वेदादिशास्त्रविद्या को जानती थी ?
- विभिन्न विद्याओं से मनुष्य कब से परिचित है ?

350

चतुर्थ समुल्लासः

विवाह और गृहाश्रम का व्यवहार

- भारत ने बाल-विवाह के क्या दुष्परिणाम भोगे ?
- विवाह निकटस्थ के स्थान पर दूरस्थ स्थानों पर क्यों करना चाहिए ?
- विवाह के योग्य कौन स्त्री-पुरुष हो सकते हैं ?
- देशहित को देखते हुए वे कौन-सी स्थितियाँ हैं जिनमें विशेष मनुष्यों के विवाह पर भी पाबन्दी लगाई जा सकती है ?
- बच्चों के नाम किस प्रकार के रक्खे जाने चाहिएँ ?
- विवाह के समय लड़के-लड़कियों की अवस्था कितनी होनी चाहिए ?
- ब्रह्मचर्यरहित, विद्यारहित, बाल्यावस्था एवं वृद्धावस्था में विवाह करने आदि से कौन-कौन से दुःख देश को उठाने पड़ते हैं ?
- विवाह के समय पुरुष का वीर्य परिपक्व, शरीर बलिष्ठ, स्त्री का गर्भाशाय पूरा और शरीर का बलयुक्त होना क्यों आवश्यक है ?
- विवाह करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, अर्थात् विद्या, विनय, शील, रूप, आयु, बल, कुल, शरीर का परिमाण आदि यथायोग्य देखकर विवाह करने में ही भलाई किस प्रकार है ?
- भारतदेश में जब स्वयंवर प्रणाली थी तब भारत की उन्नति किस प्रकार हो रही थी ?

- वर्त्तमान नव-दम्पत्तियों में प्रचलित हनीमून प्रणाली क्या व्यभिचार का प्रतीक है ?
- क्या शूद्र ब्राह्मण और ब्राह्मण शूद्र बन सकता है ?
- प्रत्येक देश में क्या अप्रत्यक्ष रूप में वर्णव्यवस्था विद्यमान है। भारत में क्या प्राचीन काल में पूर्ण वर्णव्यवस्था थी, यह कैसे निर्धारित होती थी ?
- क्या पुत्र पिता की प्रत्येक आज्ञा का पालन करे ?
- पत्नी को धर्मपत्नी क्यों कहा जाता है, क्या पत्नी पति की हर बात माने ?
- ब्राह्मण अज्ञानता को मिटाने के लिए, क्षत्रिय रक्षा व न्याय देने के लिए, वैश्य अभाव दूर करने के लिए और शूद्र सेवादि के कार्य प्राचीन समय में कैसे करता था ?
- वर्त्तमान में पाश्चात्य विवाह-प्रणाली की देखमदेख प्रचलित प्रेमविवाह क्या गन्धर्वविवाह का रूप है ?
- विवाह से पूर्व लड़के-लड़की को फोटोग्राफ क्यों दिखाया जाना चाहिए ?
- वर-वधु के गुण मिलाने की प्रथा क्या है, अर्थात् जब लड़का-लड़की की शादी से पहले बात हो तो आचार्य और माता, पिता व रिश्तेदारों के सामने आपस में बातचीत, शास्त्रार्थ करना और जो कुछ गुप्त व्यवहार पूछे सो भी सभा में लिखकर एक-दूसरे के हाथ में देकर प्रश्नोत्तर किस प्रकार करें ?
- गर्भाधान की उपयुक्त क्रिया किस प्रकार हो, स्त्री गर्भधारण के पूर्व एवं पश्चात् क्या खाए, पीए ? सन्तान उत्पन्न होने पर माँ उसका पालन-पोषण किस

प्रकार करे?

- शहद और घी आदि का प्रयोग किस प्रकार किया जाता है?
- देश के लिए उत्तम सन्तान देने हेतु पति-पत्नी आपस में कैसे व्यवहार करें, पति-पत्नी एक-दूसरे का ध्यान किस प्रकार रक्खें और दोनों आपस में जब-जब मिलें तब नमस्ते ही क्यों करें?
- ईश्वरोपासना कब, कैसे और क्यों करनी चाहिए?
- श्राद्ध और तर्पण का वास्तविक अर्थ क्या है?
- क्या आपने पाखण्डी की परिभाषा पढ़ी है? अधर्मी, कपटी, वैर-बुद्धि रखनेवाला, धूर्त्त, ईर्ष्यालु, विश्वास-घाती, हठी, दुराग्रही, मात्र अपना प्रयोजन सिद्ध करने-वाला पाखण्डी क्यों है?
- मूर्ख और पण्डित में क्या भेद है?
- बहु विवाह करना क्या उचित है?
- पुनर्विवाह में क्या दोष है?
- विधवाओं का विवाह होने में क्या लाभ है?
- नियोगप्रणाली क्या व्यभिचार का प्रतीक है?
- क्या राजा ही बहुविवाह कर सकता है?
- झूले से उत्पन्न बच्चा, गोद लिया बच्चा, नियोग से उत्पन्न और पुनर्विवाह से उत्पन्न बच्चा—इनमें से कौन-सा उत्तम है?
- अपने मिथ्या ग्रन्थों पर ऋषियों का नाम लिखकर अपना उल्लू सीधा करनेवाले ब्राह्मण क्या पण्डित कहला सकते हैं?

- गृहस्थाश्रम पर सभी आश्रम (ब्रह्मचर्य, वानप्रस्थ, संन्यास) आश्रित क्यों है ? उत्तम गृहस्थी राष्ट्र को गति प्रदान करते रहने में क्या भूमिका निभाता है ?
- नौकर किस प्रकार के रखने चाहिएँ ?

130

पञ्चम समुल्लासः

वानप्रस्थ और संन्यासाश्रम की विधि

- वानप्रस्थ और संन्यास कब लेना चाहिए? इनके क्या कर्त्तव्य हैं?
- क्या संन्यासी अग्नि और धातु को स्पर्श नहीं करते?
- भिक्षा माँगने का अधिकार किसको है और क्यों?
- संन्यासी भ्रमणशील क्यों रहता है?
- प्राचीन राजागण संन्यासियों को अपने पास बुला-बुलाकर उनका सम्मान क्यों करते थे?
- क्या संन्यास ग्रहण ब्राह्मणवर्ण को ही करना चाहिए?
- शिखा (चोटी) और जनेऊ (यज्ञोपवीत) किसका प्रतीक है?
- क्या भगवा वस्त्र धारण करनेवाले सभी संन्यासी होते हैं?
- क्या शरीरादि से किया गया कर्म आत्मा को ही भोगना पड़ता है?
- जीव एकदेशी, अल्पज्ञ और ब्रह्म सर्वव्यापक, सर्वज्ञ किस प्रकार है?
- क्या ब्रह्म भी जन्म-मरण दुःख में कभी फँसता है?
- क्या विद्वान् और परोपकारी मनुष्यों को दान देने में कोई भी दोष नहीं है?
- वीर्य-संरक्षण किस प्रकार किया जा सकता है?

छठा समुल्लासः

राजधर्म विषय

- क्या राजव्यवस्था से धर्म का सम्बन्ध है?
- राष्ट्र की उन्नति के लिए विद्या, धर्म व राजसभा क्यों होनी चाहिए?
- अनियन्त्रित राजा राष्ट्र को कैसे हानि पहुँचा सकता है?
- नेता के गुण, कर्म, स्वभाव कैसे होने चाहिएँ?
- देश में विद्या, बल और धन को कैसे बढ़ाया जा सकता है?
- न्यायाधीश और सभापति के गुण क्या हों?
- बिना पक्षपात के दण्ड क्यों दिया जाए?
- चुनाव से आया हुआ व्यक्ति राष्ट्र में उच्च पद पाकर कैसे प्रजा का अहित कर सकता है?
- चयन और चुनाव में क्या अन्तर है?
- लाखों मूर्खों के स्थान पर एक सर्वहितैषी वैदिक विद्वान् की बात क्यों माननी चाहिए?
- नेताओं की दिनचर्या किस प्रकार की होनी चाहिए?
- नेता क्या अनुकरणीय होना चाहिए?
- राजा के मन्त्रिमण्डल में कैसे-कैसे व्यक्तियों का चयन करना चाहिए?
- राजदूत किन्हें नियुक्त करना चाहिए?
- राजा का रहने का स्थान किस प्रकार का होना चाहिए?

- क्या सज्जनों के राज्य की वृद्धि और दुर्जनों के राज्य का क्षय होना चाहिए?
- क्या राजा के काम वैश्यों के होते हैं?
- देश की भूमि में वृद्धि करने के लिए राजा क्या करे?
- आप्त पुरुषों के द्वारा ही राजा कर क्यों ले?
- प्राचीन समय में स्त्री, बालक, वृद्ध और आतुर तथा शोकयुक्त पुरुषों पर शस्त्र क्यों नहीं चलाये जाते थे?
- किसी भी अन्य देश के शत्रुओं पर विजय कैसे प्राप्त की जा सकती है?
- साम, दाम, दण्ड, भेद की नीतियों को कैसे लागू करना चाहिए?
- राजा प्रजा को भ्रष्टाचार में लिप्त क्यों न होने दे?
- ग्राम सभा, ग्राम पंचायत, थानों आदि का वास्तविक स्वरूप क्या है?
- गुप्तचर विभाग किस प्रकार कार्य करे?
- क्या भ्रष्ट सरकारी कर्मचारियों को क्षमा कर देना चाहिए?
- किन-किन वस्तुओं पर कर का प्रावधान हो एवं कितने प्रतिशत कर लगाना चाहिए?
- चोरी करते हुए चोर, डाका डालते हुए डाकू, व्यभिचार करते हुए व्यभिचारी, कमज़ोर पर बल प्रयोग करते हुए बलवान्—इन दुष्टों की आत्माएँ इन कार्यों को करते हुए कैसे काँप उठती हैं?
- मन्त्रिमण्डल सात-आठ व्यक्तियों का पर्याप्त होता है अथवा सैकड़ों का?
- मृत्युदण्ड का होना हितकर है अथवा अहितकर?

- यथायोग्य व्यवहार से क्या तात्पर्य है ?
- राजा सन्धि, विग्रह, यान, आसन, द्वैधीभाव और संश्रय नीतियों का प्रयोग कैसे करे ?
- राजा पड़ौसी धार्मिक राजाओं से युद्ध क्यों न छेड़े ?
- राजा को भूतकाल के गुण–दोष जानकर, वर्त्तमान में कर्त्तव्य निभाते हुए भविष्य की योजना क्यों बनानी चाहिए ?
- राजा जल, थल, वायुसेना का चुनाव कैसे करे ?
- बाहर से मित्र, अन्दर से शत्रु की क्या पहचान है ?
- क्या भारत के लोग विभिन्न व्यूह–रचनाएँ जैसे दण्डव्यूह, शकटव्यूह, वराहव्यूह, मकरव्यूह, सूचीव्यूह, सर्पव्यूह, गरुड़व्यूह आदि, प्राचीन समय से जानते आये हैं।
- प्रीतिपूर्वक, धर्मानुसार एवं यथायोग्य व्यवहार से क्या अभिप्राय है ?
- जल, थल, वायुसेना विभिन्न स्थानों में किस–किस प्रकार के अस्त्र–शस्त्रों से युद्ध लड़े ?
- सेना को उत्साहित एवं हर्षित कैसे रखना चाहिए ?
- पराजित शत्रु के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए ?
- राजा किन–किन शास्त्रों को मुख्यतया पढ़े ?
- राजा किसानों को ही 'राजाओं का राजा' क्यों समझे ?
- राजा–प्रजा की उन्नति के मार्ग क्या हैं ?
- मादक द्रव्यों, जुआ खेलनेवालों पर प्रतिबन्ध लगाना क्यों आवश्यक है ?
- मद्यपान, धूम्रपान, जुआ, वेश्यावृत्ति (व्यभिचार के अड्डे) मांस–निर्यात आदि व्यापार क्या राष्ट्र की आय

के स्रोत हो सकते हैं, इनका क्या दुष्प्रभाव हो सकता है ? क्या इनको राजाश्रय मिलना चाहिए ?

- साक्षी की आवश्यकता कहाँ होती है ?
- गुप्त अपराधों के लिए क्या गवाही आवश्यक है ?
- वकील सत्य का समर्थक क्यों होना चाहिए ?
- देश, काल और पुरुष के आधार पर दण्ड क्यों देना चाहिए ?
- विभिन्न प्रकार के अपराधों की सजाएँ किस प्रकार की हों ?
- ब्राह्मण को ६४ गुणा, क्षत्रिय को ३२ गुणा, वैश्य को १६ गुणा और शूद्रों को ८ गुणा, दण्ड क्यों देना चाहिए ?
- साधारण मनुष्यों की अपेक्षा राजा को हज़ार गुणा दण्ड क्यों देना चाहिए ?
- कौन अपराधी है जिसे मारकर पश्चात् विचार करना चाहिए ?
- दुष्टों को मृत्युदण्ड क्यों देना चाहिए ?
- न्याय में देरी और प्रजा-रक्षण के स्थान पर भक्षण, क्या अन्धेर नगरी चौपट राजा नहीं है ?
- सुगम दण्ड से दुष्ट कार्यों में वृद्धि क्यों होती है ?
- संस्कृतविद्या में पूरी-पूरी राजनीति है अथवा अधूरी ?
- **वयं प्रजापतेः प्रजा अभूम्** —यजुः० अर्थात् 'हम परमात्मा की प्रजा और परमात्मा हमारा राजा है', ऐसा मानकर सार्वभौम चक्रवर्ती राज्य की प्राप्ति कैसे हो सकती है ?

सप्तम समुल्लासः

वेद एवं ईश्वर-विषय

- वेद में एक ईश्वर है अथवा अनेक?
- देवता शब्द से क्या अभिप्राय है?
- ईश्वर की सिद्धि के क्या-क्या प्रमाण है?
- आत्मा के भीतर से बुरे कार्य करने में भय, शङ्का और लज्जा तथा अच्छे कार्यों के करने में अभय, निःशङ्कता और आनन्दोत्साह उठता है, क्या यह परमात्मा की ओर से है?
- ईश्वर व्यापक है अथवा किसी देश-विशेष में रहता है?
- परमेश्वर दयालु एवं न्यायकारी है अथवा नहीं?
- क्या परमेश्वर अपराध क्षमा करता है?
- ईश्वर साकार है अथवा निराकार?
- ईश्वर सर्वशक्तिमान् होने से क्या सभी कुछ कर सकता है?
- ईश्वर को क्या कभी क्रोध भी आता है?
- परमेश्वर सादि है अथवा अनादि?
- परमेश्वर क्या चाहता है?
- परमेश्वर की स्तुति करने से ईश्वर में प्रीति, उसके गुण, कर्म, स्वभाव से अपने गुण, कर्म, स्वभाव का सुधारना, प्रार्थना से निरभिमानता, उत्साह और सहाय का मिलना, उपासना से परब्रह्म से मेल और उसका साक्षात्कार कैसे होता है?

- ईश्वर को न माननेवाले महामूर्ख और कृतघ्न क्यों हैं ?
- परमात्मा क्या निष्क्रिय और निर्गुण है ?
- क्या परमेश्वर की क्रिया का कोई अन्त है ?
- ईश्वर अवतार लेता है अथवा नहीं ?
- अवतारवाद का आरम्भ कब, क्यों, कैसे हुआ ?
- ईश्वर अपने भक्तों के पाप क्षमा करता है अथवा नहीं ?
- जीव स्वतन्त्र है अथवा परतन्त्र ?
- स्वतन्त्र किसको कहते हैं ?
- जीव और ईश्वर का स्वरूप, गुण, कर्म और स्वभाव कैसा है ?
- क्या ईश्वर को त्रिकालदर्शी कहना उचित है ?
- जीव शरीर में भिन्न विभु है वा परिच्छिन्न ?
- जीवात्मा और परमात्मा में व्याप्य-व्यापक सम्बन्ध से क्या तात्पर्य है ?
- ब्रह्म और जीव दोनों चेतन होते हुए भी अलग-अलग क्यों है ?
- क्या ईश्वर आत्मा को बना सकता है ?
- जीव और ईश्वर नित्य हैं अथवा अनित्य ?
- परमेश्वर सगुण है अथवा निर्गुण ?
- परमेश्वर रागी है अथवा विरक्त ?
- ईश्वर में इच्छा है अथवा नहीं ?
- सृष्टि के आरम्भ में परमात्मा ने वेदों का प्रकाश क्यों, कब और कैसे किया ?

- वेदों में क्या है और वे कितने हैं?
- वेद वैदिक (देवभाषा—संस्कृत) भाषा में ही क्यों प्रकट किये?
- क्या वेद ईश्वरकृत हैं?
- ईश्वरकृत एवं मनुष्यकृत कार्यों में क्या भेद होता है?
- प्रभु सृष्टि के आरम्भ में यदि वेदज्ञान न देता तो मानवों की क्या दशा होती?
- मिस्त्र, यूनान और यूरोप देशों में विद्या व शिक्षा का प्रचार कैसे हुआ?
- क्या वेदों में मनुष्यों का इतिहास है?
- वेदों की कितनी शाखाएँ हैं?
- वेद नित्य है अथवा अनित्य?
- क्या बाइबल, कुरानादि पुस्तकें ईश्वरकृत कही जा सकती हैं?
- वेद में आये ऋषि, देवता, छन्द, स्वर आदि का क्या तात्पर्य है?
- क्या वेद की पुस्तक संसार की सबसे प्राचीनतम पुस्तक है?
- क्या वेद सभी मानवों के हित के लिए बनाया गया है?

530

अष्टम समुल्लासः

जगत् की उत्पत्ति, स्थिति एवं प्रलय-विषय

- ईश्वर सृष्टि की उत्पत्ति, स्थिति एवं प्रलय कैसे करता है?
- क्या ईश्वर, जीव और प्रकृति अनादि हैं?
- जगत् के तीन कारण अर्थात् निमित्त, उपादान और साधारण-कारण कौन-से हैं?
- जगत् के बनाने में परमेश्वर का क्या प्रयोजन है?
- बीज पहले है अथवा वृक्ष?
- निराकार ईश्वर बिना हाथ-पैर आदि साधनों के जगत् का निर्माण कैसे करता है?
- कार्य और कारण का क्या सम्बन्ध है?
- किन पदार्थों की उत्पत्ति होती है? उनका विनाश क्यों और कैसे होता है?
- जगत् का कर्त्ता क्या ईश्वर नहीं है?
- क्या ईश्वर स्वभाव से जगत् की उत्पत्ति करता है?
- जीव ईश्वर क्यों नहीं हो सकता?
- क्या भगवान् शब्द आत्मा और परमात्मा दोनों के लिए प्रयुक्त हो सकता है?
- ईश्वरकृत सृष्टिक्रम को क्या बदला जा सकता है?
- कल्प-कल्पान्तर में ईश्वर सृष्टि विलक्षण-विलक्षण बनाता है अथवा एक-सी?
- क्या आकाश के पश्चात् वायु, वायु के पश्चात् अग्नि, अग्नि के पश्चात् जल, जल के पश्चात् पृथिवी,

पृथिवी से ओषधि, ओषधियों से अन्न, अन्न से वीर्य, वीर्य से पुरुष उत्पन्न हुआ है, अर्थात् सृष्टि की उत्पत्ति का क्रम क्या ऐसा ही है?

- क्या मिट्टी–पानी आदि के संयोग से चेतनशक्ति उत्पन्न हो सकती है?
- सूक्ष्म और स्थूल में क्या अन्तर है?
- परमात्मा की ज्ञानपूर्वक सृष्टि–रचना क्या प्रकट करती है?
- पहले मनुष्यमात्र की सृष्टि हुई अथवा पृथिवी की!
- सृष्टि के आरम्भ में युवा मनुष्य उत्पन्न हुए अथवा वृद्ध या बच्चे?
- क्या सृष्टि का प्रारम्भ भी है?
- क्या सृष्टि प्रवाह से अनादि है?
- क्या वृक्षों में जीव है?
- मनुष्यों की आदि सृष्टि किस स्थल पर हुई?
- आर्य और दस्युओं में क्या भेद है?
- सृष्टि के आरम्भ में एक जाति उत्पन्न हुई अथवा अनेक?
- क्या आर्य लोग बाहर से आये थे या यहाँ से बाहर गये थे?
- क्या भारत का प्राचीन नाम आर्यावर्त्त ही विभिन्न ग्रन्थों में मिलता है?
- क्या हिन्दुओं की संस्कृति एवं सभ्यता इतनी पुरानी है जितना इनका हिन्दू, हिन्दी एवं हिन्दुस्तान नाम?
- आर्यावर्त्त की अवधि (सीमा) कहाँ तक है?
- क्या हिन्दू शब्द आर्ष साहित्य में मिलता है?

- क्या यह सत्य है कि हिन्दू सिन्धु से बिगड़ कर बना ?
- क्या विदेशियों ने हमारे इतिहास में मिलावट की है, और की है तो इसमें उनका क्या प्रयोजन था ?
- असुर, राक्षस, दस्यु, म्लेच्छ, नाग नाम से किन्हें पुकारा जाता था ?
- राम-रावण युद्ध को देवासुर-संग्राम क्यों नहीं कहना चाहिए ?
- क्या आर्य लोग ईरान से आये थे ?
- क्या अर्जुन की पत्नी उलोपी अमेरिका (पाताल) की रहनेवाली थी ?
- क्या पृथिवी पर महाभारत युद्ध तक भारतीय राजाओं का एकच्छत्र, चक्रवर्ती राज्य रहा था ?
- युधिष्ठिर के राजसूययज्ञ में संसारभर के राजा जो सोना, चाँदी, हीरे, जवाहारात आदि तथा अन्य बहुमूल्य वस्तुएँ भेंट में लाये थे, क्या वे कर के रूप में थीं ?
- "कोई कितना भी करे, परन्तु जो स्वदेशीय राज्य होता है वह सर्वोपरि होता है" ऐसा महर्षि दयानन्द ने क्यों कहा है ?
- विदेशियों ने भारत पर कब, क्यों और कैसे कब्ज़ा किया ?
- क्या भिन्न-भिन्न भाषा, पृथक्-पृथक् शिक्षा, अलग-अलग व्यवहार से राष्ट्र का विकास हो सकता है ?
- जगत् की उत्पत्ति में कितना समय व्यतीत हुआ है और इसके क्या प्रमाण हैं कि इतना ही समय व्यतीत हुआ है ?

- परमाणु, अणु, द्व्यणु, त्रेसरेणु आदि क्या हैं ?
- पृथिवी शेषनाग के फन पर रक्खी है अथवा बैल के सींग पर ?
- सूर्य और पृथिवीलोक एक-दूसरे का धारण कैसे कर रहे हैं ?
- इतने-इतने बड़े भूगोलों को परमेश्वर कैसे धारण कर सकता होगा ?
- पृथिवी घूमती है अथवा स्थिर है ?
- क्या पृथिवी पर सूर्य-उदय, अस्त, सन्ध्या, मध्याह्न, मध्यरात्रि आदि कालावयव सदा वर्त्तमान रहते हैं ?
- क्या मनुष्यादि की सृष्टि अन्य लोक-लोकान्तरों में भी है ?
- क्या अन्य लोकों पर जो मानवजाति रहती है उनकी आकृति में भेद होगा ?
- क्या अन्य लोकों में वेद का प्रकाश इसी लोक की तरह किया गया है ?
- राजा के अधीन प्रजा, परमेश्वर के अधीन जीव और जड़ पदार्थ क्योंकर है ?

280

नवम समुल्लासः

विद्या, अविद्या, बन्ध और मोक्ष की व्याख्या

- विद्या और अविद्या में क्या अन्तर है ?
- मुक्ति (मोक्ष, निर्वाण) की प्राप्ति किस प्रकार हो सकती है ?
- क्या जीव ब्रह्म का प्रतिबिम्ब या ब्रह्म का अंश है ?
- दुःख से छूटकर अर्थात् मोक्ष-प्राप्ति के समय जीव कहाँ रहते हैं ?
- मुक्ति और बन्ध किन-किन बातों से होता है ?
- मुक्त जीव का स्थूल शरीर रहता है अथवा नहीं ?
- क्या जीव "बल, पराक्रम, आकर्षण, प्रेरणा, गति, भाषण, विवेचन, क्रिया, उत्साह, स्मरण, निश्चय, इच्छा, प्रेम, द्वेष, संयोग, विभाग, संयोजक, विभाजक, श्रवण, स्पर्शन, दर्शन, स्वादन और गन्धग्रहण तथा ज्ञान"—इन २४ प्रकार की सामर्थ्य युक्त है ?
- क्या जीव मुक्ति को प्राप्त करके पुनः जन्म-मरण के दुःख में कभी आते हैं ?
- जीव का मुक्ति समय कितना है ?
- जाग्रत्, स्वप्न, सुषुप्ति, तुरीय अवस्थाएँ क्या हैं ?
- मुक्ति विषय पर जैनियों, बौद्धों, ईसाइयों, मुसलमानों, वाममार्गियों, शैवों, वैष्णवों, १८ पुराण माननेवाले वेदान्तियों की क्या सोच है ?
- क्या मुक्ति में जीव कहीं भी विचर सकता है ?
- जीव एक बार जन्म लेता है अथवा अनेक बार ?

- जीव को पूर्वजन्म की बातों का स्मरण क्यों नहीं रहता?
- क्या परमात्मा जीवों के पाप-पुण्य कर्मानुसार शरीर के देने से न्यायकारी सिद्ध होता है?
- क्या मनुष्य और पशु आदि के शरीर में जीव एक-सा है अथवा भिन्न जाति का?
- क्या पशु, पक्षी, विद्वान्, देव, साधारण मनुष्यादि कर्मानुसार बनते हैं?
- जन्म और मृत्यु में क्या भेद है?
- मुक्ति एक जन्म में होती है अथवा अनेक जन्मों में?
- क्या मोक्ष-प्राप्ति का एक ही मार्ग है, यदि हाँ तो परमेश्वर के पहुँचने के अनेक रास्ते हैं, ऐसा क्यों कहा जाता है?
- मुक्ति में जीव का शरीर साथ नहीं होता फिर वह आनन्द कैसे भोगता है?
- मुक्ति में परमेश्वर से जीव पृथक् क्यों रहते हैं?
- क्या परमेश्वर का नाम ही धर्मराज है?
- क्या जगत् में सुख-दुःख आदि की घटती-बढ़ती से पूर्वजन्म का अनुमान होता है?
- क्या मुक्त आत्माओं का अन्य मुक्त आत्माओं से मेल-मिलाप होता है?
- कौन से कर्म करने से किस-किसका शरीर मिलता है?
- सत्त्व, रजस्, तमस् गुण क्या हैं?
- त्रिविध अर्थात् आध्यात्मिक, आधिभौतिक और आधिदैविक दुःख क्या हैं?

420

दशम समुल्लासः

आचार, अनाचार और भक्ष्याभक्ष्य-विषय

- आचार और अनाचार किसे कहते हैं?
- वृद्ध क्या उम्र बड़ी होने के कारण कहाते हैं?
- पाँच ज्ञानेन्द्रियों, पाँच कर्मेन्द्रियों और ग्यारहवें मन को कैसे वश में किया जा सकता है?
- क्या विदेश जाने से धर्म भ्रष्ट हो जाता है?
- क्या व्यासमुनि, शुक्राचार्य, कृष्ण, अर्जुन, उद्दालक ऋषि आदि ने विदेश भ्रमण किया था?
- महाराज युधिष्ठिर के राजसूययज्ञ में क्या सम्पूर्ण विश्व के राजागण आये थे?
- क्या देश-देशान्तर एवं द्वीप-द्वीपान्तर घूमने से, अनेकविध मनुष्यों के समागम से, रीति-भाँति देखने से, अपना राज्य, व्यापार व व्यवहार-वृद्धि करने से निर्भय, शूरवीर होने लगते हैं और अच्छे व्यवहार का ग्रहण बुरी बातों के छोड़ने में तत्पर होके बड़े ऐश्वर्य को प्राप्त होते हैं?
- परदेशियों का शासन करने से स्वदेशियों को दरिद्रता एवं दुःख का सामना क्यों करना पड़ता है?
- क्या मुसलमानों और ईसाइयों की पाकशाला भ्रष्ट होती है?
- क्या मद्य-मांस का ग्रहण करना उचित है?
- भारत के लोगों का स्वातन्त्र्य, आनन्द, धन, राज्य, विद्या और पुरुषार्थ पर चौका कैसे लगा?
- सखरी, निखरी क्या हैं?

- द्विज कौन हैं ? द्विज अपने हाथ से रसोई बनाके खावें अथवा शूद्र के हाथ की बनाई खावें ?
- क्या शूद्र द्वारा छुआ गया अन्न त्याज्य है ?
- क्या उन्नति का मार्ग एक मत, एक हानि-लाभ, परस्पर एक सुख-दुःख मानने से प्रशस्त हो सकता है ?
- क्या भारत के लोग पहले मांसादि खाते थे ?
- मांस किसका भोजन है मनुष्यों का, राक्षसों का या देवताओं का ?
- क्या विदेशियों ने आर्यावर्त्त में राज्य आपस की फूट, मतभेद, ब्रह्मचर्य का सेवन न करना, विद्या न पढ़ना-पढ़ाना वा बाल्यावस्था में अस्वयंवर विवाह, विषयासक्ति, मिथ्याभाषणादि कुलक्षण, वेदविद्या का अप्रचार आदि तात्कालिक प्रचलित कुकर्मों का लाभ उठाकर किया ?
- भारत में जब भाई-भाई लड़ने लगे तब तीसरा विदेशी आकर पंच कैसे बन बैठा ?
- क्या दुर्योधन दुष्ट, गोत्र-हत्यारा, स्वदेशविनाशक व नीच था, अर्थात् राजरोग के चक्रव्यूह में फँसकर उसने आर्यावर्त्त के निवासियों को कैसे महाभारत युद्ध का महान् दुःख दिया ?
- सुना है दुर्योधन बहुत बलवान् था, क्या वह प्रसंशनीय रहा ?
- धर्मशास्त्रोक्त एवं वैद्यकशास्त्रोक्त भक्ष्याभक्ष्य दो प्रकार का किस तरह से है ?
- मद्य, गांजा, अफ़ीम आदि बुद्धि का नाश किस प्रकार

करते हैं?

- गाय आदि दूध देनेवाले पशुओं से प्राप्त घी, दूध से सुख किस प्रकार पहुँचता है?
- क्या प्रत्येक गाय के जन्मभर के दूध से २४ हज़ार ९७० मनुष्य एक बार में तृप्त हो जाते हैं?
- पशुओं की हत्या करने से क्या अपकार होता है?
- क्या आर्यों के शासन में गौ आदि पशु मारे जाते थे? क्या उस समय दूध, घी आदि की कमी थी?
- सत्तासीन नेताओं द्वारा मांसाहारियों को दण्ड क्यों देना चाहिए?
- अधिक मल पैदा करनेवाला भोजन तमोगुणी होता है और कम मल पैदा करनेवाला भोजन सत्त्वगुणी होता है क्या यह सत्य है?
- मिताहार क्यों करना चाहिए?
- प्रकृति से विरुद्ध वैद्यकशास्त्र में वर्जित पदार्थ क्यों त्याज्य हैं?
- एक-साथ भोजन करने में कुछ दोष है अथवा नहीं?
- मद्यपायी राज्याधिकारियों के चलते क्या राष्ट्र पुनः अपने गौरवमय अतीत की और लौट सकता है, जहाँ एक व्यक्ति के लिए छह गायें होंगी?
- क्या गुरु के भोजन करने के पश्चात् ही शिष्य को भोजन करना चाहिए?
- क्या यह सत्य है कि गाय के दूध, घी की सम्पन्नता से देवताओं की वृद्धि होती है और इनकी न्यूनता से राक्षसों की वृद्धि होती है?
- क्या मनुष्य को किसी का जूठा नहीं खाना चाहिए?

- आँगन में गाय का गोबर लेपने से चौका अशुद्ध क्यों नहीं होता ?
- किस स्थान पर भोजन करना उचित है ?
- क्या सभी मानवों के एक-साथ भोजन करने से आपसी वैर-विरोध समाप्त हो जाता है ?
- क्या समस्त भूगोल में कभी एक मत था ?
- कंधार की गान्धारी, ईरान की माद्री व अमेरिका की उलोपी आदि के साथ आर्यावर्त्तदेशीय राजा लोगों ने विवाह किया, यह क्या दर्शाता है ?
- क्या किसी भी ग्रन्थ का अभिप्राय हठ, दुराग्रह व ईर्ष्या से समझ में आ सकता है ?

1230

एकादश समुल्लासः
आर्यावर्त्तीय मत-मतान्तरों का खण्डन-मण्डन-विषय

- क्या पाँच हज़ार साल पहले १८ पुराणों को माननेवाले पुराणी, जैनी, बाइबल माननेवाले किरानी, कुरान माननेवाले मुसलमान उपस्थित थे ?
- इस समय विभिन्न मत-मतान्तरों की शाखाएँ हज़ारों में कैसे बनती जाती हैं ?
- मत-मतान्तर के विवाद से जगत् में जो-जो अनिष्ट फैल रहे हैं और फैलेंगे क्या उनका निवारण पक्षपात-रहित मज़हबी लोग कर सकते हैं ?
- भारत को सुवर्णभूमि क्यों कहते हैं ?
- क्या भारत में चक्रवर्ती और अन्य देश में माण्डलिक राजा राज्य करते थे ?
- क्या भारत में अन्य देश के लोग विद्या, चरित्रों की शिक्षा व विद्याभ्यास करने आते थे, अर्थात् आर्यावर्त्त विश्वगुरु था ?
- युधिष्ठिर के राजसूय यज्ञ में सभी देशों के राजागण आज्ञानुसार क्यों आये थे ?
- रामचन्द्र ने रावण को दण्ड दे विभीषण को राज्य क्यों दिया ?
- क्या आर्यावर्त्त के स्वायंभुव राजा से लेकर पाण्डवपर्यन्त आर्यों का चक्रवर्ती राज्य पृथिवी पर रहा ?
- भारत का पतन क्या राजाओं के आलस्य, पुरुषार्थ-हीनता, ईर्ष्या, द्वेष, विषयासक्ति, प्रमाद, विद्या, सुशिक्षा

के नाश और दुर्गुण, दुष्ट व्यसनों के कारण हुआ था ?

- क्या भारत की सेना का सामना विश्व में कोई नहीं कर सकता था ?
- किस प्रकार शिवाजी व गोविन्दसिंहजी ने मुसलमानों की बादशाही को छिन्न-भिन्न कर दिया ?
- सृष्टि के आरम्भ से लेकर महाभारतपर्यन्त चक्रवर्ती सार्वभौमिक आर्यकुल प्रमुख राजाओं के नाम कौन-कौन से हैं ?
- क्या मन्त्र बोलने से अग्नि उत्पन्न हो सकती है ?
- आग्नेयास्त्र, वारुणास्त्र, नागपाश, मोहनास्त्र आदि अस्त्रों-शस्त्रों की पदार्थविद्या क्या है ?
- क्या पहले भी लोग तोप और बन्दूक का प्रयोग जानते थे ?
- भूगोल में सम्पूर्ण विद्या क्या आर्यावर्त्त से मिस्रवालों, उनसे यूनानी, उनसे रोम और उनसे यूरोप देश, उनसे अमेरिका आदि देशों में फैली है ?
- क्या संस्कृतविद्या का प्रचार सबसे अधिक आर्यावर्त्त में ही हुआ है ?
- विभिन्न विदेशस्थ विद्वानों मैक्समूलर, गोल्डसटक्कर, मुग़ल दाराशिकोह बादशाह आदि ने संस्कृत के बारे में क्या कहा है ?
- प्राचीन लोग क्या खगोल विद्या जानते थे ?
- महाभारत युद्धोपरान्त सारी विद्याओं का लोप क्योंकर हुआ ?
- स्वार्थी ब्राह्मणों ने जीविका के लिए कौन-कौन-से प्रपञ्च रचे और संस्कृत को राजा लोगों को क्यों नहीं

पढ़ाया ?

- वर्णव्यवस्था का लोप कैसे हुआ ? क्या ब्राह्मण का पुत्र ब्राह्मण ही होता है, अर्थात् जातिवाद का आरम्भ कैसे हुआ ?
- **ब्रह्मवाक्यं जनार्दनः**—अर्थात् जो कुछ ब्राह्मणों के मुख से वचन निकलता है वह जानो साक्षात भगवान् के मुख से निकला और हम शाप देंगे तो तुम्हारा नाश हो जाएगा क्योंकि लिखा है ? **ब्रह्मद्रोही विनिश्यति**—जो ब्राह्मणों से द्रोह करता है, उसका नाश हो जाता है—यह बात किन ब्राह्मणों के लिए सत्य है ?
- किस प्रकार यूरोप में भी छल-क़पट से दूसरे को ठगकर अपना प्रयोजन साधनेवाले पोप ईसा के नाम पर लोगों को स्वर्ग में भेजने के लिए ठेकेदारी करते थे ?
- क्या पोपजी की सेवा करने से पाप क्षमा हो जाते हैं ?
- क्या वेदों के स्वरसहित पठन-पाठन एवं कण्ठस्थ करने के कारण वेदादि शास्त्र बचे रहे अन्यथा जैनियों, मुसलमानों एवं ईसाइयों ने न जाने कितने विभिन्न विद्या के ग्रन्थों के पुस्तकालय अग्नि को समर्पित कर दिये थे ?
- क्या ब्राह्मण और साधु अदण्डनीय होते हैं ?
- किस प्रकार पोपों के प्रपञ्च के कारण राजा लोग सोना-जागना, उठना-बैठना, जाना-आना, खाना-पीना आदि करते थे ?
- वेदोक्त प्रचार-प्रसार मन्द क्यों पड़ता गया ?

- क्या वाममार्गियों का प्रेम मद्य, मांस, मछली, मुद्रा और मैथुन से है ?
- क्या वाममार्गी उपस्थ इन्द्रिय की पूजा करते हैं ?
- क्या व्यभिचारी वाममार्गी माता के साथ भी समागम करने में सङ्कोच नहीं करते ?
- अश्वमेध, गोमेध और नरमेध में क्या घोड़ों, गाय एवं मनुष्यादि की बलि दी जाती थी ?
- बलि देकर क्या मिन्नतें पूरी होती हैं ?
- शंकराचार्य ने किस प्रकार राज्य का सहारा लेकर वेद-विरोधी जैनियों से शास्त्रार्थ कर वेदमत स्थापित किया ?
- शंकराचार्य का मत है कि अनादिसिद्ध परमात्मा ही जगत् का कर्त्ता है, यह जगत् और जीव झूठा है, क्या यह वेदसम्मत दृष्टिकोण है ?
- शंकराचार्य के मरने के पश्चात् किस प्रकार महन्त उनके शिष्य बनते चले आ रहे हैं ?
- राजा विक्रमादित्य, राजा भर्तृहरि, राजा भोज किस प्रकार प्रसिद्ध हुए ?
- भारत के देवालयों में मूर्त्ति-स्थापना का कार्य जैनियों द्वारा कब आरम्भ हुआ ?
- यवन लोग भारत में क्यों आये ?
- राजा भोज के समय में किस प्रकार मिथ्या श्लोकों की मिलावट महाभारत, रामायण, शिवपुराण आदि ऐतिहासिक पुस्तकों में हुई ?
- क्या राजा भोज के पास वायुयान था ?
- शैव व वैष्णव मत कब आरम्भ हुए, उनके जन्मदाता

कौन थे, उनकी क्या मान्यताएँ हैं ?

- क्या रुद्राक्ष धारण करने से पापों से छूटा जा सकता है ?
- शैव, शाक्त, वैष्णव सम्प्रदायी लोग एक-दूसरे के मत की निन्दा क्यों करते हैं ?
- क्या विष्णु के शंख, चक्र आदि आयुधों के चिह्न देखकर यमराज और उनके गण डरते हैं ?
- चमड़ी को तपाना क्या तप है ?
- मूर्त्तिपूजा कहाँ से चली और किसने चलाई ?
- जैनियों ने मूर्त्तियाँ नंगी, ध्यानावस्थित और विरक्त मनुष्यों के समान बनाई हैं और उनके विरुद्ध वैष्णवादि सम्प्रदायों ने यथेष्ट श्रृंगारित स्त्री के सहित रंग, राग, भोग, विषयाशक्ति सहिताकार खड़ी और बैठी हुई बनाई है, ऐसा क्यों है ?
- क्या मूर्त्ति को सामने रखकर ईश्वर की प्रार्थना, स्तुति और उपासना हो सकती है ?
- क्या मूर्त्ति किसी मच्छर की अलग हुई टाँग भी जोड़ सकती है ?
- वेद में क्या यह लिखा है कि परमात्मा अवतार नहीं लेता, अर्थात् इसकी उसको आवश्यकता नहीं है ?
- क्या परमात्मा कुम्भकरणी निद्रा में सोता है कि उसे जगाने के लिए घण्टे, घड़ियाल आदि बजाने पड़ते हैं ?
- क्या मूर्त्तिपूजक नास्तिक है और क्या मूर्त्तिपूजा करना पाप है ?
- क्या वेद की निन्दा करनेवाला, उसपर न चलनेवाला

नास्तिक होता है ?

- क्या ब्रह्मा से लेकर जैमिनी ऋषि-महर्षि लोग पाषाणपूजा करते थे ?
- क्या साकाररूप परमात्मा की बनाई गई मूर्त्ति में मन स्थिर हो सकता हैं ?
- क्या माता, पिता, आचार्य, विद्वान् अतिथियों की सेवा करना ही मूर्त्तिमान् व्यक्तियों की पूजा है ?
- क्या धार्मिक राजा का यह कर्त्तव्य है कि वह पाषाणप्रियों को यथायोग्य दण्ड देवे ?
- शिवलिंग का क्या अर्थ है ?
- क्या रामचन्द्र ने रामेश्वर का स्थापन किया था, अर्थात् क्या वो मूर्त्तिपूजक थे ?
- श्राद्ध वा तर्पण का वास्तविक रूप क्या है ?
- कलकत्ते की काली माई और कामाक्षा को लोग क्यों मानते हैं ?
- क्या सोमनाथ के मन्दिर में महमूद ग़ज़नवी ने यह कहा था कि हम बुतशिकन हैं बुतपरस्त नहीं ?
- सोमनाथ के मूर्त्तिपूजक पूजारियों की महमूद गजनवी ने क्या दुर्दशा की ? उसने वहाँ पर कैसी लूटपाट की ?
- अमृतसर तालाब की वास्तविकता क्या है ?
- क्या हरद्वार स्वर्ग का द्वार है, हर की पैड़ी पर स्नान करने से क्या समस्त पाप छूट जाते हैं ?
- मूर्त्तिपूजा क्या सनातन से चली आती है, इसका क्या कोई प्रमाण वर्त्तमान ग्रन्थों में उपस्थित है ?
- मनुष्य जिनके द्वारा दुःखों से तरे, क्या उनका सही

नाम तीर्थ है ?

- क्या अट्ठारह पुराणों के कर्त्ता स्वयं व्यासमुनि हैं ? और उनमें क्या है ?
- क्या पुराणों में सृष्टिक्रमविरुद्ध एवं वेदविरुद्ध अनर्गल बातें लिखी हैं ?
- पुराणों की लेखन शैली क्या "जिसका विवाह उसी के गीत" वाली कहावत के अनुसार है ?
- श्रीमद्भागवत् में क्या श्रीकृष्णजी पर दुश्चरित्रता के मिथ्यारोप लगाये गये हैं ?
- क्या महाभारत में श्रीकृष्णजी पर दूध, दही, मक्खन आदि की चोरी और कुब्जादासी से समागम, परस्त्रियों से रासमण्डल, क्रीड़ा आदि मिथ्या दोषों का उल्लेख नाममात्र भी है ?
- क्या वेद पढ़ने का अधिकार स्त्री और शूद्रों को है ?
- ग्रहों का फल होता है अथवा नहीं ?
- क्या शनैश्चरादि को तेल आदि का छायादान देना उचित है ?
- सूर्यग्रहण एवं चन्द्रग्रहण कैसे पड़ते हैं ?
- गरुड़पुराण में लिखित मरे हुए जीव की गति क्या वेदसम्मत है ?
- सुपात्रों को दान देने में लाभ और कुपात्रों को दान देने में हानि कैसे है ?
- दिये गये दान का दुरुपयोग क्या दाता को पापी बनाता है ?
- दाता कितने प्रकार के होते हैं ?
- दान के फल यहाँ होते हैं अथवा परलोक में ? यह

कैसे निश्चय करें कि दान उचित स्थान पर पहुँचे ?

- क्या उपवास को व्रत कहते हैं ?
- क्या एकादशी आदि उपवास रखने में लाभ है ?
- क्या मूर्त्तिपूजा से श्रीराम, श्रीकृष्ण आदि की निन्दा और उपहास होता है ?
- क्या रामलीला और रासमण्डल होने चाहिए ?
- शैवमत के बारे में वाममार्गियों से तुलना करते हुए "जैसा प्रेतनाथ वैसा भूतनाथ" क्यों कहा गया है ?
- क्या खाखी लोग नशे की हालत में रहना पसन्द करते हैं ?
- कबीर पन्थी द्वारा पाषाणादि को छोड़ पलंग, गद्दी, तकिये, खड़ाऊ, ज्योति अर्थात् दीप आदि का पूजना क्या दर्शाता है ?
- गले में लिंग की मूर्त्ति लटकानेवालों का मत कैसा है ?
- क्या नानकदेव ने ग्रन्थसाहब की पूजा आरम्भ की थी ?
- क्या नानकदेव ने अपने समय में पंजाब प्रान्त को मुसलमान होने से बचाया था ?
- गुरु गोविन्दसिंह द्वारा पञ्च ककार अर्थात् केश, कड़ा, काछ, कंघा और काचू (चाकू) कब और क्यों चलाये गये ?
- रामसनेही को राँडसनेही क्यों कहा गया है ?
- वल्लभमत के मूल सिद्धान्त क्या हैं ? गोसांइयों के मत को पुष्टिमार्ग नहीं अपितु कुष्टिमार्ग क्यों कहा है ?
- पैसा बटोरने के विविध पाखण्डों, ढोंगों का सहारा

सम्प्रदायी कैसे लेते हैं?

- माध्व एवं लिगांकित मत कैसा है?
- क्या ब्राह्मसमाज और प्रार्थनासमाज ईसाई आदि अंग्रेजों की प्रशंसा भरपेट करते थे?
- जिस देश में उत्पन्न हुए, जिस देश का अन्न-जल खाया-पिया, अब भी खाते-पीते हैं, क्या उस देश को छोड़कर अन्य देश के प्रति झुकाव न्यायसंगत है?
- जातिभेद ईश्वरकृत है अथवा मनुष्यकृत?
- भोजनभेद ईश्वरकृत है अथवा मनुष्यकृत?
- क्या अंग्रेज लोगों की उन्नति का कारण स्वजाति की उन्नति के लिए तन, मन, धन व्यय करना और आलस्य को छोड़कर उद्योग करना है?
- हमने अंग्रेजों का अनुकरण किन-किन क्षेत्रों में किया है?
- क्या ईश्वरप्रणीत वेद में भी अन्य मत की पुस्तकों (कुरान, बाइबल) की तरह भ्रान्ति पाई जाती है?
- क्या आर्यावर्त्त की उन्नति वेदादि सत्य शास्त्रों को माने बिना नहीं हो सकती?
- क्या तीर्थयात्रा से, नवकारमन्त्र जप से, विश्वास से, तोबा करने से पाप की निवृत्ति हो जाती है, अर्थात् पश्चात्ताप और प्रार्थना से क्या पाप छूट जाते हैं?
- क्या ईसाई और मुसलमान पुनर्जन्म के सिद्धान्त को नहीं मानते?
- क्या विद्या का चिह्न यज्ञोपवीत और शिखा नहीं रखनी चाहिए?
- क्या मुसलमान, ईसाई आदि विद्या के चिह्न चोटी

और जनेऊ को नहीं रख सकते?

- क्या धर्म एक और अधर्म अनेक होते हैं?
- क्या वेदविरोधी मतों, सम्प्रदाओं का लक्ष्य जीवीकोपार्जन अर्थात् टका की ही प्राप्ति है या लोकैषणा की भी?
- वो कौन-सा धन है जिससे धर्म, स्वर्ग और मुक्ति की प्राप्ति होती है?
- यदि बाल्यावस्था से एक-जैसी शिक्षा-व्यवस्था हो, तो क्या सभी को एक मतस्थ किया जा सकता है?
- कलियुग नाम क्या काल का है?
- क्या संन्यासी का कार्य सत्य का मण्डन और असत्य का खण्डन करना है?
- क्या संन्यासियों को लोकैषणा, वितैषणा और पुत्र-मोह छोड़ना ही पड़ता है?
- कैसे धूर्त्त लोग माया रचकर बड़े-बड़े बुद्धिमानों को भी धोखा देने का प्रयास करते हैं?
- क्या मनुष्य का नेत्र विद्या है?
- क्या विद्वान् पुरुष, ज्ञानी, धार्मिक, सत्पुरुषों का संगी, योगी, पुरुषार्थी, जितेन्द्रिय, सुशील को ही धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है?
- क्या भारत के लिए छिपे हुए इतिहास को उजागर करने से लाभ पहुँचेगा?
- सुलतान शाहबुद्दीन गौरी ने गढ़ गजनी से आकर किस प्रकार इन्द्रप्रस्थ अर्थात् दिल्ली पर कब्जा किया?

46 Q

द्वादश समुल्लासः

चारवाक, बौद्ध और जैनमत का विषय

- क्या जैनियों के ग्रन्थों में वाल्मीकीय रामायण और महाभारत में कथित 'श्रीराम और श्रीकृष्ण' की गाथा बड़े विस्तारपूर्वक लिखी है ?
- जैनी लोग अपने ग्रन्थों को दिखाने में संकोच क्यों करते हैं ?
- क्या चारवाक मत मात्र शरीर के आनन्द भोगने को ही सर्वस्व मानते हैं ?
- ३००० वर्ष पूर्व जो चारवाक मत वाले लोग थे, क्या वैसे लोग अब भी मिलते हैं ?
- क्या चारवाक पुनर्जन्म और परलोक को नहीं मानते ?
- बौद्धों के माध्यमिक, योगाचार, सौत्रान्तिक एवं वैभाषिक आदि चार प्रकार क्या हैं ?
- जिसको बुद्धि समझ सके क्या उसको ही मानना चाहिए ?
- क्या सुख की अपेक्षा के बिना दुःख सिद्ध नहीं हो सकता ?
- क्या जैन, बौद्ध सिद्धान्तानुसार संसार दुःखरूप है ?
- द्वादशायतन पूजा क्या है ? क्या तीर्थंकरों को उपदेश किसी ने नहीं दिया ?
- क्षणिकवाद के सिद्धान्त में क्या दोष है ?
- क्या स्याद्वाद और सप्तभंगी–न्याय व्यर्थ का प्रपञ्च है ?

- क्या बौद्ध और जैनमत के सिद्धान्त एक-जैसे हैं ?
- क्या अर्हत् के माता-पिता की रचना स्वयं हो गई ?
- क्या सृष्टि-रचना का कार्य ईश्वर के बिना सम्भव है ?
- क्या जैनमत के ग्रन्थों से अनवस्था दोष प्रकट होता है ?
- क्या माता-पिता से उत्पन्न तीर्थंकर कभी ईश्वर हो सकते हैं ?
- क्या जैनियों ने ईश्वर को अक्रिय एवं निष्क्रिय माना है ?
- जीव कुकर्मों का फल भोगने के समय क्यों रोता है ?
- क्या ईश्वर जगत् का कर्त्ता, धर्त्ता, हर्त्ता होकर भी किसी बन्धन से युक्त है ?
- क्या परमात्मा के सिवाय अन्य कोई जीवधारी भी जगत् को बना सकता है ?
- क्या जैनियों के सिद्धान्तानुरूप सभी मुक्त जीव ईश्वर हो जाते हैं ?
- जैनी लोग उत्तम पुरुषों के मर जाने के बाद उन्हें ही ईश्वर क्यों मानने लगते हैं ?
- क्या परमात्मा न्यायाधीश के समान निर्लिप्त रहता है, अर्थात् कर्म-बन्धन में नहीं फँसता ?
- क्या जैनियों की पल्योपमादि कालगणना में कुछ सचाई है ?
- क्या जैनियों के ग्रन्थ-रचयिता भूगोल, खगोल, गणित विद्यादि नहीं जानते थे ?
- क्या परमात्मा सूर्यादि लोकों को नियम में रखता है ?
- क्या जगत् को अनादि माना जा सकता है ?

- क्या मद (नशे) के समान कर्मफल स्वयं मिल जाता है, फल देने में दूसरे की आवश्यकता नहीं है ?
- क्या जड़ पदार्थ स्वयं नियम से संयुक्त हो सकते हैं ?
- छानकर जल पीना, क्षुद्र जन्तुओं को बचाना, मुख पर पट्टी बाँधना क्या जैनियों की दया है ?
- क्या पदार्थों का संयोग बिना नियम भी हो सकता है, यदि नहीं तो क्यों ?
- जैनी लोग अपने ही गुरु, अपने ही धर्म और अपने ही देव को सर्वश्रेष्ठ मानते हैं, क्या इससे पक्षपात नहीं झलकता ?
- दूसरे मतों का गुण-कीर्त्तन न करना, वन्दना न करना, उनसे थोड़ा बोलना, बार-बार न बोलना, खाने-पीने की वस्तु न देना, प्रतिमापूजन के लिए गन्धपुष्पादि भी न देना क्या जैनियों की दया प्रस्तुत करता है ?
- सुनने में आता है जैनियों के ग्रन्थों के रचयिता बड़े भारी संस्कृत के पण्डित थे, लेकिन उनमें तो ऐसा भी लिखा है—

  सूर्य समतल है, पृथिवी पर दो सूरज है, सभी ग्रहों के व्यास एक समान है, चन्द्रमा सूर्य से बड़ा है क्या यह सत्य है ?
- क्या अपने प्रयोज़न की सिद्धि के लिए जैन लोग सब-कुछ कर सकते हैं ?
- क्या भूखे मरना आदि कष्ट-सहन को चारित्र कहना ठीक है ?
- मूर्त्तिपूजन अर्थात् प्रतिमापूजन से क्या असम्भव फलों की प्राप्ति होती है ?

- क्या सबके सामने नंगी मूर्त्तियों का रहना और रखना पशुवत् लीला नहीं है ?
- श्वेताम्बर और दिगम्बर—जैन साधुओं के ये दो भेद क्या हैं ?
- ढूँढिया और तेरहापन्थी कौन हैं ?
- मुख पर पट्टी बाँधने में क्या अनेक दोष हैं ?
- क्या हरे शाक वा कन्दमूल के भक्षण करने की मनाई है ?
- क्या जैनी उष्ण जलपान करके तेज़ाब पीते हैं ?
- रत्नसार में तीर्थंकर ऋषभदेव का शरीर ५०० धनुष लम्बा और ८४ लाख वर्ष की आयु बतलायी गई है। क्या जैनियों के ये गपोड़े सही हैं ?
- कुरुक्षेत्र में क्या ८४ हज़ार नदियाँ बहती हैं ?

86 Q

त्रयोदश समुल्लासः

ईसाईमत का विषय

- जो-जो सर्वमान्य सत्य विषय हैं वे तो सबमें एक-से हैं झगड़ा झूठे विषयों में होता है, क्या यह सत्य है?
- क्या ईसाइयों का ईश्वर चौथे आसमान पर रहता है?
- क्या सूर्य के बिना रात-दिन बन सकते हैं, यदि नहीं बन सकते तो तौरत पुस्तक में ऐसा क्यों लिखा है?
- क्या ईसाइयों के ईश्वर में जन्म-मरण, वृद्धि-क्षय, क्षुधा-तृषा आदि दोष होते हैं?
- क्या स्त्री धूली से बने आदम की एक पसली निकालकर बनाई गई है?
- क्या ईसाइयों का ईश्वर बहकाता और मिथ्या बोलता है? उसने शैतान क्यों बनाया?
- ईसाई लोग मांस क्यों खाते हैं?
- ईसा क्या शाप भी देता है?
- क्या ईसा में ईश्वर-तुल्य ज्ञान है?
- क्या बाइबल में एक देश की ही घटनाओं का वर्णन है?
- क्या बाइबल जंगली मनुष्यों की पुस्तक है?
- क्या ईश्वर पाश्चात्ताप भी करता है?
- क्या एक नाव, जिसकी लम्बाई तीन सौ हाथ, चौड़ाई पचास हाथ और ऊँचाई तीस हाथ हो, में करोड़ों जीव-जन्तु आ सकते हैं?
- क्या ईसाइयों के ईश्वर की बात और प्रतिज्ञा स्थिर है?

- क्या ईसा दयाहीन एवं कसाई है?
- क्या भाषा की गड़बड़ ईश्वर ने पैदा की जो भिन्न-भिन्न भाषाएँ बन गईं?
- क्या ईसा स्त्रियों का पातिव्रत्य धर्म भंग कराके उन्हें व्यभिचारिणी बनाता है?
- बाइबल में खतना करने का जो आदेश है, अब ईसाई लोग उसे क्यों नहीं करते?
- क्या ईसा जंगली मंडली का प्रधान था?
- क्या मद्यपान के नशे में लूत की दोनों बेटियाँ अपने पिता से गर्भिणी हुईं?
- सरः को क्या परमेश्वर ने गर्भवती किया था?
- मुर्दों को गाड़ने में कौन-कौन-सी हानियाँ होती हैं?
- अन्त्येष्टि संस्कार वैदिक रीति से कैसे किया जाता है?
- क़ब्र बनाने से कौन-कौन-सी हानियाँ होती हैं?
- क्या बाइबल एक परिवार की कहानीमात्र है?
- क्या ईसाई महाबुतपरस्त हैं?
- क्या ईसा सोता भी है?
- क्या यह सत्य है कि मूसा से लेकर ईसाइयों के जो मूल पुरुष हुए हैं वे सब जंगली अवस्था में थे, विद्याऽवस्था में नहीं?
- ईसा के मना करने पर भी जूती क्यों चर्च में ले-जाते हैं? उसके स्थान पर टोपी क्यों उतारते हैं?
- बार-बार "मैं ईश्वर हूँ" ईसा को यह क्यों कहना पड़ता है?
- अपने मुख से प्रशंसा करना एवं 'मैं सत्य कहता हूँ'

यह क्या प्रस्तुत करता है?

- क्या ईसाइयों का ईश्वर मांसाहारी होकर भी दयालु है?
- क्या ईसा द्वारा चौथी पीढ़ी तक को दण्ड देना अन्याय की बात नहीं है?
- क्या सातवाँ दिन (रविवार) अपवित्र होता है?
- क्या अंग्रेज ईसाई लोग परदेशियों के माल पर ऐसे झपटते हैं कि जानो प्यासा जल पर, भूखा अन्न पर?
- बाइबल में आये बलि एवं वेदी शब्द क्या प्रस्तुत करते हैं?
- क्या ईसा एक पहाड़ी पर रहता था?
- क्या ईसा गाय, बैलादि पशुओं के मांस एवं लहू का भूखा व प्यासा है?
- बाइबल में भक्त परमेश्वर के आगे उसके बैल को मारे और वह मरवावे और लहू को चारों ओर छिड़के, अग्नि में होम करे, ईश्वर सुगन्ध लेवे, क्या ऐसा लिखा है?
- क्या ईसाई लोग प्रायश्चित्त करते समय पशुओं को मारते हैं?
- क्या ईसा के विश्वास से सब पाप छूट जाते हैं?
- एक लड़के को मरवावे और दूसरे लड़के को उसका मांस खिलावे क्या यह परमात्मा का कार्य हो सकता है?
- क्या मूसा विषयी था?
- क्या ईसाइयों के ईश्वर ने अपने आराम के लिए दाउद आदि से घर बनवाया था?

- क्या बाइबल में हज़ारों निकम्मी कहानियाँ भरी-पड़ी हैं ?
- **क्षणे रुष्टः क्षणे तुष्टो रुष्टस्तुष्टः क्षणे क्षणे। अव्यवस्थित-चित्तस्य प्रसादोऽपि भयंकरः।** जैसे कोई मनुष्य क्षण में प्रसन्न, क्षण में अप्रसन्न होता है, अर्थात् क्षण-क्षण में प्रसन्न-अप्रसन्न होवे उसकी प्रसन्नता भी भयदायक होती है, क्या ईसाइयों के ईश्वर की लीला इस प्रकार की है ?
- क्या ईसा अपने भक्तों को शैतानों से नहीं बचाता ?
- बुद्धि वृद्धि में क्या शोक मानना चाहिए ?
- क्या यीशु की माँ मरियम ने बिना समागम किये हुए गर्भधारण किया था ?
- क्या पत्थरों की रोटियाँ बनाई जा सकती हैं ?
- क्या मछली को जाल में फँसाने के समान पादरी लोग मनुष्यों को अपने मज़हबी जाल में फँसाते हैं ?
- भारत में पादरियों द्वारा फैलाये गये भ्रमजाल से कैसे बच सकते हैं ?
- क्या यीशु ने रोगियों को, जो नाना प्रकार के रोगों और पीड़ाओं से दुःखी थे, चंगा किया ?
- ईसा के मना करने पर भी ईसाई लोग धन-सञ्चय क्यों करते हैं ?
- क्या ईसा के समय उनके देश में दरिद्रता थी ?
- क्या ईसाई लोग विद्या-सृष्टिक्रमविरुद्ध बातों को सत्य मानते हैं ?
- क्या यीशु ईश्वर का पुत्र था ?
- क्या मरा हुआ मनुष्य क़ब्रिस्तान से कभी निकल

सकता है?

- पाप क्षमा करना क्या प्रलोभन देकर फँसाना नहीं है?
- क्या किया हुआ पाप कभी नहीं छूटता?
- क्या ईसा भी "फूट डालो राज करो" की नीति का समर्थक था?
- "एक ओर पाप क्षमा करेगा दूसरी ओर कार्यानुसार फल देगा" क्या यह बात विचार-भेद प्रकट नहीं करती?
- "**यत्र देशे द्रुमो नास्ति तत्रैरण्डोऽपि द्रुमायते**" जिस देश में कोई भी वृक्ष न हो तो उस देश में एरण्ड का वृक्ष ही सबसे बड़ा और अच्छा गिना जाता है, ऐसे महाजंगली, अविद्वानों के देश में ईसा का होना भी ठीक था, ऐसा महर्षि दयानन्द ने क्यों कहा है?
- यीशु के अनुसार जितने धनाढ्य ईसाई हैं, क्या वे सब नरक में जाएँगे और दरिद्र सब स्वर्ग में जाएँगे?
- क्या एक-एक के सौ-सौ माँ-बाप हो सकते हैं?
- ईसाई अंग्रेजों के शासनकाल में गोरे द्वारा काले को मारने के पश्चात् गोरे ईसाई को क्यों छोड़ दिया जाता था?
- एक सृष्टि के आदि में मरा और एक क़यामत की रात के निकट मरा। एक तो आदि से अन्त तक आशा ही में पड़ा रहा कि कब न्याय होगा और दूसरे को उसी समय न्याय मिल गया, क्या यही यीशु का न्याय है?
- "इन दिनों के क्लेश के पीछे सूर्य तुरन्त अन्धकारमय हो जाएगा और चाँद अपनी ज्योति न देगा, तारे

आकाश से गिर पड़ेंगे और आकाश की सेना डिग जाएगी'' इस विज्ञानविरुद्ध वाक्य का क्या अर्थ है?

- क्या आकाश हिल सकता है?
- क्या ईसाइयों का ईसा ईश्वर, ईश्वर का पुत्र व बाइबल का रचयिता हो सकता है?
- क्या ईसा ने अपना देह और लहू अपने शिष्यों को पिलाया?
- क्या ईसा पर झूठ–फरेब लगा दुरावस्था कर मारना उचित था?
- यीशु ने बड़े जोर से पुकारके कहा—'एली एली लामा शबक्तनी' अर्थात् हे ईश्वर! हे मेरे ईश्वर! तूने मुझे क्यों त्यागा है? क्या यीशु मौत से घबरा गया था?
- क्या ईसा बढ़ई था? जंगली लोगों ने उसे ईश्वर का बेटा क्या ज़बरदस्ती बना दिया था?
- क्या पवित्रात्मा, पिता और पुत्र तीनों ईश्वर हैं?
- क्या ईसाइयों का ईश्वर शैतान–का–शैतान है?
- क्या ईश्वर किसी की सिफ़ारिश भी सुनता है?
- क्या प्रोटस्टैंट ईसाई लोगों के स्वर्ग में बुत्परस्ती है?
- क्या बाइबल का ईश्वर इस्राएल आदि कुलों का स्वामी है या सब संसार का?
- ईसाइयों के स्वर्ग में जो वेदी, धूप, दीप, नैवेद्य, तुरही के शब्द होते हैं, ये सब किसके प्रतीक हैं?
- क्या घुड़सवारों की सेनाओं की संख्या बीस करोड़ हो सकती है?
- गिर्जाघरों में क्रूस आदि का आकार बनाना आदि क्या

बुतपरस्ती नहीं है ?

- क्या अजगर की पूँछ इतनी बड़ी हो सकती है कि जिसने सब तारों का एक-तिहाई लपेटकर भूमि पर गिरा दिया ?
- क्या सौ कोस तक रुधिर बहना सम्भव है ?
- क्या पृथिवी और आकाश भागते हैं ?
- क्या बाइबल में थोड़ी-सी सत्य बातों को छोड़ शेष सब झूठ भरा है ?

चतुर्दश समुल्लासः

मुसलमानों के मत का विषय

- "आरम्भ साथ नाम अल्लाह के" का क्या अर्थ है ?
- क्या कुरान के खुदा ने प्राणियों को मारना, उन्हें दारुण पीड़ा देना, उन्हें मरवाके उनका मांस खाने की आज्ञा दी है ?
- क्या परमेश्वर के नाम पर "अच्छी बातों का आरम्भ, बुरी बातों का नहीं" ठीक है ?
- कसाई आदि मुसलमान, गाय आदि का गला काटने में भी 'बिस्मिल्लाह' इस वचन को क्यों पढ़ते हैं ?
- क्या मुसलमानों का खुदा पशुओं पर दया करता है ?
- क्या अन्य मत वालों और पशु आदि को मरवाने की आज्ञा खुदा ने दी है ?
- जो कुरान और पैगम्बर को न माने क्या वे काफ़िर हैं ?
- क्या खुदा नित्य न्याय नहीं करता, किसी एक दिन न्याय करता है ?
- क्या कुरान का रचयिता अरबी भाषा ही जानता था जो एक देश की भाषा है ?
- क्या मुसलमान लोग पूर्वजन्म और पूर्वकृत पाप-पुण्य को नहीं मानते ?
- जिसमें पक्षपात की बातें पाई जाएँ क्या वह पुस्तक ईश्वरकृत हो सकती है ?
- ऐसा क्या कारण है कि संस्कृतभाषा सब देशभाषाओं से विलक्षण है ?

- क्या पाप–पुण्य और पुरुषार्थ के बिना खुदा अपने ही खजाने से खर्च करने के लिए देता है ? जो देता है तो सबको क्यों नहीं देता ?
- क्या दूसरे मत का धर्मात्मा पापी है ?
- क्या मुसलमानों से इतर सभी काफ़िर हैं ?
- किसी के मन पर मोहर लगाना, किसी का रोग बढ़ाना, क्या खुदा का काम है ?
- क्या कुरान आसमान को छत मानती है ?
- "जैसे कुरान में लिखा है कि काफ़िरों के लिए दोज़ख की आग तैयार की गई है वैसे ही पुराणों में लिखा है कि म्लेच्छों के लिए घोर नरक बना है" अब कहिए किसकी बात सच्ची मानी जाए ?
- "जो धार्मिक हैं, वे सब मतों में 'सुख' और जो पापी हैं, वे सब मतों में 'दुःख' पाएँगे" क्या यह कथन मिथ्या है ?
- बीबियों को खुदा ने बहिश्त (स्वर्ग) में सदा के लिए रक्खा, परन्तु पुरुषों को नहीं, ऐसा क्यों, क्या वह व्यभिचारी था ?
- क्या पैग़म्बर की सिफ़ारिश से खुदा स्वर्ग (बहिश्त) देगा ?
- क्या एक पत्थर की शिला में डण्डा मारने से बारह झरनों का निकलना सम्भव है ?
- क्या मुर्दे क़यामत की रात तक क़ब्रों में पड़े रहेंगे ?
- सृष्टि को उत्पन्न हुए सात–आठ हज़ार वर्षों से इधर ही बतलाते हैं, क्या इससे पूर्व खुदा निकम्मा बैठा था ?

- क्या सृष्टिक्रम और विद्या से विरुद्ध ''मौजिज़े'' अर्थात् दैवीशक्ति की बात मिथ्या होती हैं ?
- सत्य सभी मत में एक-सा है सब लड़ाइयाँ मूर्खता की हैं, क्या यह सत्य है ?
- क्या ईश्वर किसी का शत्रु हो सकता है ?
- मुसलमान किबले की ओर मुख क्यों करते हैं ? यह किसका प्रतीक है ?
- सृष्टि रचाने का खुदा का सूत्र ''हो जा'' इसका क्या तात्पर्य है ?
- क्या खुदा की इच्छा से एक मक्खी की टाँग भी बन सकती है ?
- क्या काबे से पहले खुदा ने कोई भी पवित्र स्थान न बनाया था ?
- पौराणिक पुराणों को खुदा के अवतार व्यासजी का वचन समझते हैं जबकि मुसलमान कुरान को खुदा का कलाम समझते हैं, अब किसकी मानें ?
- क्या खुदा मुसलमानों पर दयालु और अन्यों पर दयाहीन है ? क्या यह सब-कुछ पक्षपात नहीं ?
- खुदा ने शैतान को उत्पन्न ही क्यों किया ?
- क्या खुदा ने ही शैतान को बहकाया ?
- क्या कुरान में सूअर का मांस खाना निषेध है ?
- ''अल्ला के मार्ग में लड़ो, उनसे जो तुमसे लड़ते हैं। मार डालो तुम उन्हें जहाँ पाओ, कुफ्र (धर्म से भ्रष्ट करना) क़त्ल से भी बुरा है। यहाँ तक उनसे लड़ो कि कुफ्र न रहे और होवे दीन अल्लाह का। उन्होंने तुमपर जितनी ज़ियादती की उतनी ही तुम उनके

साथ करो'' इसका क्या अर्थ है ?

- 'खुदा मनुष्यों से उधार लेता है', क्या यह खुदा का दिवालियापन प्रस्तुत नहीं करता ?
- क्या भले मनुष्यों का यही कर्म है कि शान्तिभंग करके लड़ाई करावें ?
- अल्लाह सूर्य को पूर्व से लाता है। बस, तू पश्चिम से ले-आ। क्या यह भूगोलविद्या के जानने का प्रमाण है ?
- क्षमा के योग्य पर क्षमा न करना, अयोग्य पर क्षमा करना क्या उचित है ?
- अल्लाह की बहिश्त स्वर्ग है या वेश्याओं का वन ?
- क्या मुसलमानों के कथनानुसार १३०० वर्ष पूर्व ईश्वरीय मत था ही नहीं ?
- क्या जीवित से मृतक और मृतक से जीवित कभी हो सकता है ?
- ''तुम मेरा पक्ष करोगे तो खुदा तुम्हारा पक्ष करेगा और जो तुम पक्षपातरूप पाप करोगे उसकी क्षमा भी करेगा'' इससे क्या सिद्ध होता है ?
- क्या जिस समय ईसाई और मुसलमानों का मत चला था उस समय उनके देशों में जंगली और विद्याहीन मनुष्य अधिक थे ?
- पैगम्बर को ईमान में खुदा के साथ शरीक क्यों किया ?
- क्या अल्लाह बातों को लिख, बहीखाता बनाता जाता है ?
- ''भूल से मुसलमानों के मारने में प्रायश्चित और

अन्य को मारने से बहिश्त मिलेगा'' इसका क्या अर्थ है ?

- आर्यमार्ग अर्थात् श्रेष्ठ पुरुषों के मार्ग में चलना और दस्यु अर्थात् दुष्टों के मार्ग से अलग रहना—क्या यह वेदोक्त कथन है ?
- क्या खुदा लाशरीक है ?
- ''**यादृशी शीतला देवी तादृशो वाहनः खरः** अर्थात् जैसी शीतला देवी है, वैसी उसकी सवारी गधा'' इसका खुदा और उसके उपासकों के साथ क्या सम्बन्ध है ?
- क्या कुरान एक का बनाया नहीं, अपितु बहुतों ने बनाया है ?
- ''अल्लाह ने माफ़ किया जो हो चुका और जो कोई फिर करेगा अल्लाह उससे बदला लेगा'' इसका क्या तात्पर्य है ?
- क्या अल्लाह ने आसमानों और पृथिवी को छह-छह दिन में उत्पन्न किया ?
- क्या कुरान में जिहाद करना (धर्म के लिए विधर्मियों से युद्ध करना) और काफ़िरों को मारना लिखा है ?
- क्या लूट के माल में खुदा को हिस्सेदार बनाना पड़ता है ?
- क्या खुदा को मुसलमानों में पापी भी प्रिय है ?
- क्या पृथिवी और आकाश कभी किसी की बात सुन सकते हैं ?
- ''अल्लाह वह है कि जिसने खड़ा किया आसमानों को बिना खम्भों के'' इसका क्या अर्थ है ?

- जो सब कौमों पर पैग़म्बर भेजे हैं तो सब लोग (अन्य मतस्थ) जो कि अपने-अपने पैग़म्बर की राय पर चलते हैं, वे काफ़िर क्यों?
- क्या काफ़िर वे हैं जो कुरान, पैग़म्बर और कुरान के कहे खुदा, सातवें आसमान और नमाज़ आदि को न मानें?
- क्या सदा सुख भोगते रहने से सुख ही दुःखरूप हो जाता है?
- "यहाँ तक कि पहुँचा सूर्य के डूबने की जगह तो उसे एक कीचड़ के चश्मे में डूबता हुआ पाया" इसका क्या अर्थ है?
- क्या तोबाः करने से पाप क्षमा हो जाते हैं?
- क्या क़यामत तक मुर्दे क़ब्रों में रहेंगे?
- हाथ-पैर आदि जड़ होने से गवाही कभी दे सकते हैं?
- क्या प्रत्येक जानवर को खुदा ने पानी से उत्पन्न किया है?
- क्या आसमान फट सकता है?
- कुरान पुनरुक्त और पूर्वापर विरुद्ध बातों से भरा हुआ है?
- क्या बादलों के समान पहाड़ चल सकता है?
- यदि अल्लाह दो बार उत्पत्ति करता है तीसरी बार नहीं, तो पहली उत्पत्ति के आदि और दूसरी बार के अन्त में क्या निकम्मा बैठा रहता होगा?
- क्या मुसलमानों का खुदा मनुष्यवत् एकदेशी है?
- क्या खुदा के अनुसार स्त्री घर में क़ैदी के समान रहे

और पुरुष खुल्ले रहें ?

- क्या मुहम्मद साहब ने अपने पुत्र (लैपालक) की स्त्री को अपना बना लिया था ?
- "अन्य लोग जहाँ पाये जावें, मारे जावें" मुसलमानों को दिया गया यह आदेश क्या सिद्ध करता है ?
- क्या कुरान का खुदा कूँजड़ी की भाँति है, जो अपने बेरों को खट्टा नहीं बतलाती ?
- क्या बहिश्त में शराब की नदियाँ बहती हैं ?
- मुसलमान लोग पाप और उपद्रव करने में क्यों नहीं डरते हैं ?
- क्या खुदा का आदेश है कि मज़हब का झण्डा फहरा दो ?
- "**कामातुराणां न भयं न लज्जा,** अर्थात् जो कामी पुरुष हैं, उन्हें अधर्म से भय वा लज्जा नहीं होती" क्या कुरान का खुदा भी ऐसा है ?
- "ऐ नबी! झगड़ाकर काफ़िरों और गुप्त शत्रुओं से और उनके ऊपर सख्ती कर" इससे क्या सिद्ध होता है ?
- लाइलाह इल्लिला: मुहम्मदरसूलल्ला: से क्या तात्पर्य है ?
- क्या सूर्य-चाँद कभी इकट्ठे हो सकते हैं ?
- क्या सूर्य लपेटा जा सकता है ?
- क्या कुरान में खुदा, फ़रिश्ते और पैग़म्बर की कथा है ?
- क्या कुरान की बातें अथर्ववेद में लिखी हैं ?
- क्या अन्य मत वालों को आकर्षित करने के लिए

कृत्रिम, अयुक्त, वेद और व्याकरण रीति से विरुद्ध मुसलमानों ने अल्लोपनिषद् भी बनाया है?

- क्या सत्यभाषण, अहिंसा, दया और शुभगुण सब मतों में अच्छे हैं और बाकी वाद-विवाद, ईर्ष्या-द्वेष, मिथ्या-भाषणादि कर्म सब मतों में बुरे हैं?